पाठ 21. नई सोच के धनी – स्टीव जॉब्स

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को अपने अंदर सीखने की लगन बनाए रखने की सीख देना है। स्टीव जॉब्स के अनुभवों से प्रेरणा लेकर बच्चे यह समझ पाएँगे कि जीवन में परिश्रम एवं लगन का कोई विकल्प नहीं है। सफलता के द्वार की पहली सीढ़ी यही है।

पाठ का सारांश

एप्पल कंपनी के संस्थापक स्टीव जॉब्स का जन्म सैन फ्रांसिस्को में हुआ था। सन् 2011 में उनकी मृत्यु हो गई। उनका जीवन सभी के लिए प्रेरणादायी रहा है। स्टेनफ़ोर्ड विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में स्टीव जॉब्स ने अपने जीवन से जुड़ी तीन प्रेरणाप्रद कहानियाँ सुनाईं। कॉलेज की पढ़ाई का महत्व समझ में न आने पर उन्होंने कॉलेज छोड़ दिया। उन्होंने अपने अभिभावक के गराज से 'एप्पल कंपनी' की शुरुआत की। शीघ्र ही यह कंपनी शीर्ष पर पहुँच गई। परंतु किसी कारणवश उन्हें एप्पल कंपनी छोड़नी पड़ी। उसके बाद स्टीव जॉब्स ने 'नेक्स्ट' नामक कंपनी की स्थापना की। फिर उन्होंने 'पिक्सार' नामक कंपनी खरीद ली। इसके बाद एप्पल ने नेक्स्ट को खरीद लिया और स्टीव जॉब्स पुन: 'एप्पल' में आ गए। कैंसर होने के बाद उन्होंने मौत को करीब से महसूस किया। स्टीव जॉब्स ने कहा कि मौत ही इस ज़िंदगी का सबसे बड़ा आविष्कार है। अपनी ज़िंदगी को व्यर्थ मत जाने दीजिए तथा सीखने की भूख को कभी खत्म मत होने दीजिए।

अध्यापन संकेत

बच्चों को पाठ का मौन पठन करने के लिए कहें। इसके उपरांत पाठ का आदर्श वाचन करें। बीच-बीच में आए महत्वपूर्ण अंशों का अर्थ समझाएँ। बच्चों से स्टीव जॉब्स के बारे में पूछें। पाठ में निहित जीवन-मूल्यों को बच्चों में विकसित करें। कठिन शब्दों का अर्थ बताएँ।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- पूछें, 'स्मार्ट फ़ोन' किसे कहते हैं। ये कैसे काम करते हैं?
- बच्चों से कुछ ऐसी प्रसिद्ध हस्तियों के नाम बताने को कहें जिन्होंने फ़र्श से अर्श तक का सफ़र तय किया। जैसे – धीरू भाई अंबानी, एम॰डी॰एच॰ कंपनी के संस्थापक महाशय धर्मपाल, 'इंफोसिस' कंपनी के संस्थापक एन. आर. नारायण मूर्ति आदि।
- बच्चों को समझाएँ, यदि व्यक्ति में अपने लक्ष्य को पाने का जज़्बा हो तो राह की बड़ी से बड़ी बाधा भी छोटी दिखाई देने लगती है। हमें परिश्रम से पीछे नहीं हटना चाहिए और न ही नकारात्मक विचारों को अपने पास आने देना चाहिए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।